the Act have been framed and are laid on the Table of Lok Sabha. The other Rules and Regulations of the Institute are under preparation. [See Appendix V, annexure No. 43.]

(b) The other Rules will be laid on the Table of Lok Sabha as soon as finalised and approved by Government.

विभागीय भोजन-व्यवस्था पर व्यय

*१६८५. **श्री खुशवक्त राव** . क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) क्या यह सच है कि रेलवे बोर्ड ने इस आशय के आदेश जारी किये हैं कि रेलवे मे विभागीय भोजन-व्यवस्था के लिये खरीदी गई वस्तुये जैसे चीनी के बर्तन, खाने के बर्तन, छुरी काटा चम्मच, तौलिये, साबुन और अन्य वस्तुये जो भोजनालयो में काम में आती हैं, वे सब यात्री सुविधा के लिये सुरक्षित विकास निधि में से खरीदी जाये ;

(ख) क्या इस आदेश की एक प्रति सभा की टेबल पर रखी जायेगी ; और

(ग) इस प्रकार का आदेश देने के क्या कारण हैं ?

रेलवे मंत्री (श्री जगजीवन राम) . (क) आदेश यह है कि शुरू मे जो सामान लिये जाये, सिर्फ उन्हीं का खर्च विकास निधि (Development Fund) से किया जाये । यात्रियो और रेल का उपयोग करने वाले दूसरे लोगो की सुविधा के लिये जो काम किये जाते हैं, उनका खर्च इसी निधि से किया जाता है । लेकिन तौलिये, साबुन और इस तरह के दूसरे सामान की लागत सचालन-व्यय (working expenses) में डाली जाती है, यात्री-सुविधा के अनुदान (amenities grant) मे नही ।

(ख) पत्र की एक प्रति सभा-पटल पर रख दी गयी है । [देखिये परिशिष्ट ५ अनुबन्ध संख्या ४४]

(ग) विभागीय खान-पान व्यवस्था (Departmental Catering) का उद्देश्य यह है कि यात्रियों को अच्छा खाना मिले और सर्विस अच्छी हो, इसलिये बर्तन आदि की लागत की 'विकास निधि-यात्री सुविधा, (Development Fund Passenger amenitie) के मद में डालना उचित ही है।

सुरेमनपुर के निकट रेल-मार्ग का टूट जाना

*१६८६. **श्री सरजू पांडे** : क्या रेलवे मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सुरेमनपुर के निकट रेल-मार्ग के टूट जाने के फलस्वरूप कुल कितनी हानि हुई ।

(ख) इस टूटे रेल-मार्ग को ठीक करने के लिये क्या सरकार अविलम्ब कार्यवाही कर रही है ; और

(ग) इस रेल-मार्ग की मरम्मत में कितना समय लगेगा ?

रेलवे मत्री (श्री जगजीवन राम) : (क) लाइन टूटने से १,२०,००० रुपये का नुकसान हुआ । रेल-यातायात फिर चालू करने के लिये डाइवर्शन बनाकर जो नयी लाइन बिछायी गयी, उसपर ६,५०,००० रुपये खर्च हुये ।

(ख) पीछे हटा कर बनाये हुये एक एलाइनमेंट पर डाइवर्शन लाइन बनाकर यातायात फिर चालू किया गया है । यह सभव नही था कि पहली टूटी हुई लाइन की मरम्मत करके उसपर फिर गाडियां चलाई जायें । इस समस्या को स्थायी रूप से हल करने के लिये गगा और घाघरा के बीच 'वाटर शेड' के साथ-साथ पीछे हटाकर एक लाइन (retired alignment) बनाने के बारे मे विचार किया जा रहा है ।

(ग) रेल यातायात बन्द होने के २५ दिन बाद, यानी २६ अगस्त, १९५७ को